NACO
National AIDS Control Organisation
India's response to HIV & Sexually Transmitted Infections
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

सत्यमेव जयते
Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

Azadi Ka Amrit Mahotsav

नाको न्यूज़

अप्रैल - जून 2023

विषय-सूची

- महानिदेशक के डेस्क से संदेश 05
- निदेशक के डेस्क से संदेश 06
- संपादक के डेस्क से संदेश 07
- भारत की पहली G20 अध्यक्षता: राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की भागीदारी 08
- भारत सरकार के प्रमुख विभागों/मंत्रालयों के साथ इंटर-मिनिस्टीरियल बैठक 09
- सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय क्षमतावर्धन कार्यशाला 11
- नाको अधिकारियों के द्वारा राज्यों में 360 डिग्री समीक्षा और फील्ड दौरा 13
- नार्थ-ईस्ट राज्यों में कम्युनिटी लेड मॉनिटरिंग (सी.एल.एम.) पायलट प्रोजेक्ट की प्रसार बैठक 15
- कार्यवाही योग्य बिंदुओं की प्रगति पर परियोजना निदेशकों के साथ समीक्षा बैठक 15
- कार्यक्रम प्रबंधन प्रशिक्षण 16
- ज़िला एड्स नियंत्रण अधिकारियों (डी.ए.सी.ओ.) के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम 17
- इंटीग्रेटेड एस.टी.आई., एच.आई.वी., टी.बी. और हेपेटाइटिस (आई.एस. एच.टी.एच.) अभियान पर प्रारम्भिक तैयारी बैठक 17
- एच.आई.वी. और सिफ़लिस के लम्बवत (वर्टिकल) प्रसार के उन्मूलन के पहले चरण का प्रयोजन और क्रियान्वयन 18
- नेटवर्क ऑपरेटर्स के माध्यम से स्पा/मसाज पार्लरों में टार्गेटेड इंटरवेंशन के लिए एस.ओ.पी. और वेब बेस्ड प्लेटफॉर्म्स पर राष्ट्रीय कंसल्टेशन का आयोजन 19
- संपूर्ण सुरक्षा रणनीति (एस.एस.एस.) इंटरवेंशन पर अपडेट 20
- सप्लाई चेन मैनेजमेंट की क्षेत्रीय समीक्षा और क्षमतावर्धन बैठक 20
- मुंबई ज़िला एड्स नियंत्रण सोसाइटी 21
- पुडुचेरी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी 21
- वेस्ट बंगाल राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी 22
- बेस्ट प्रैक्टिस 22
- नार्थ-ईस्ट एकीकृत स्वास्थ्य अभियान 23

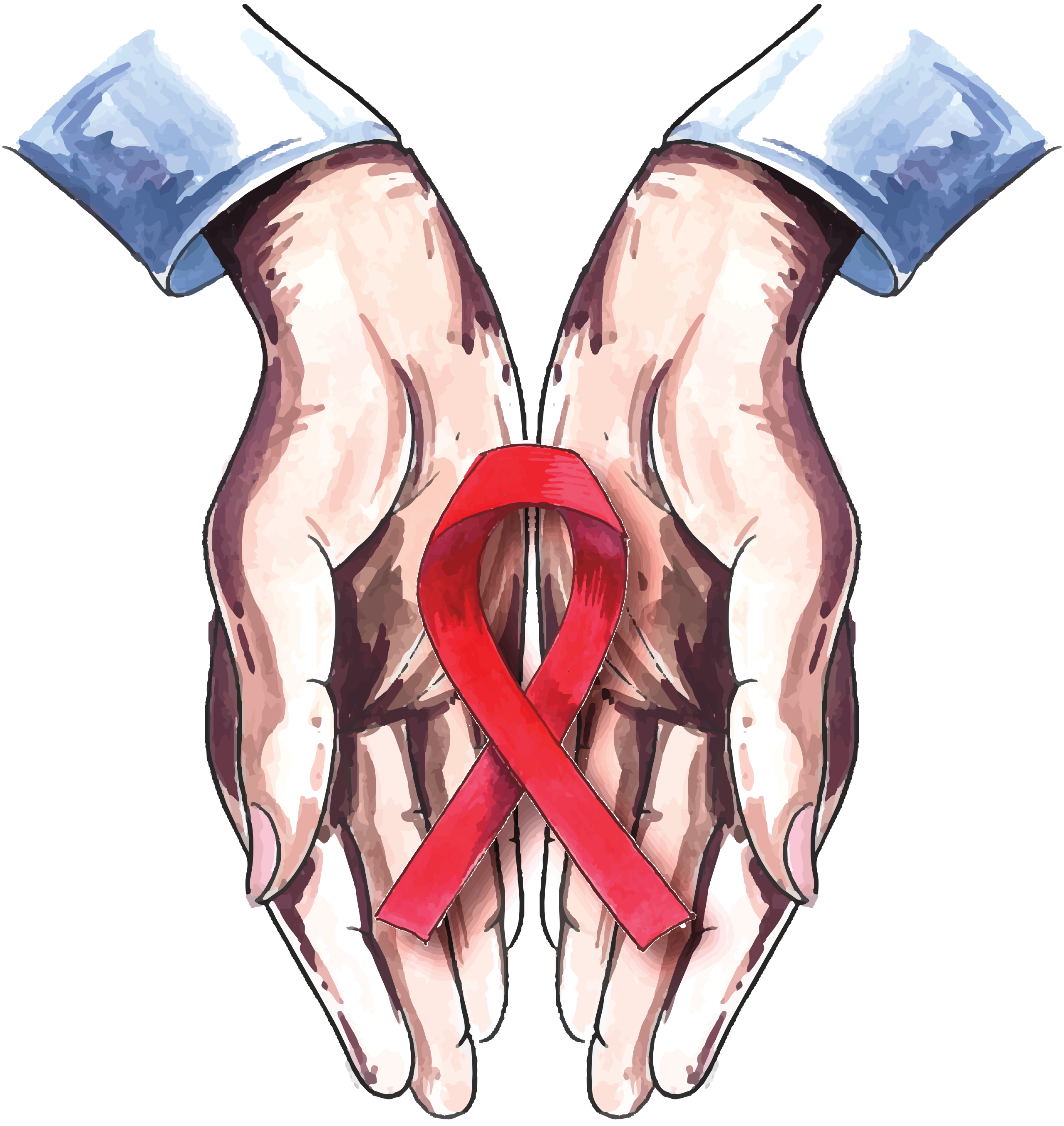

महानिदेशक के डेस्क से संदेश

प्रिय पाठकों,

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का लक्ष्य, की-पापुलेशन के हर उपसमूह तक पहुंचना है और उन्हें मुफ्त एच.आई.वी. रोकथाम, परीक्षण और उपचार सेवाएं प्रदान करना है। कार्यक्रम के पांचवें फेज़ में होने के कारण, सुविधा और सामुदायिक सेटिंग्स में शामिल सभी लोगों के लिए अब प्रत्येक तिमाही महत्वपूर्ण है।

मुझे ये बताते हुए बहुत ख़ुशी हो रही है और मैं केंद्र सरकार के 19 मंत्रालयों के साथ बहुप्रतीक्षित मुख्यधारा की बैठक आयोजित करके एच.आई.वी. एड्स के मुद्दों को लेकर पहल करने के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अपने सहयोगियों की सराहना करती हूं। इस बैठक में, 'एच.आई.वी./एड्स से संक्रमित और प्रभावित लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने को बढ़ावा देने के प्रशिक्षण मॉड्यूल' और 'कोविड-19 महामारी के दौरान यौनकर्मियों को सूखा राशन वितरण' विषय पर दो दस्तावेज़ जारी किए गए, जो वास्तव में एक बड़ी उपलब्धि है।

यह त्रिमास, लगभग देश के सभी राज्यों की 360 डिग्री कार्यक्रम समीक्षा का साक्षी रहा। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों के बीच बेहतर समन्वय के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और संबंधित राज्य टीमों ने संयुक्त रूप से राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों के तहत सुविधाओं का क्षेत्रीय दौरा किया। मुझे विश्वास है कि इससे राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर, सभी रणनीतिक और संचालन मुद्दों के समाधान के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के कार्यान्वयन में सुधार करने में मदद मिलेगी। राज्य नेतृत्व की उपस्थिति में किये गए कार्यक्रम समीक्षा और राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों को की गयी डी-ब्रीफिंग से नाको अधिकारियों द्वारा की गई समीक्षा गतिविधियों में निश्चित रूप से मदद मिलेगी। ‘राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम - पांचवे चरण के तहत जेलों, अन्य क्लोज़्ड-सेटिंग्स, जुवेनाइल होम्स और ड्रग रिहैबिलिटेशन केंद्रों में एकीकृत एस.टी.आई., एच.आई.वी., टीबी और हेपेटाइटिस अभियान पर बैठक का आयोजन” इस तिमाही की सबसे महत्त्वपूर्ण घटनाओं में से एक थी। बैठक में मुख्य रूप से राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत राज्य के मुद्दों पर और एकीकृत एस.टी.आई., एच.आई.वी., टीबी और हेपेटाइटिस अभियान सुनिश्चित करने के लिए राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों के फिज़िकल ओरिएंटेशन पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

ऐसी बैठकों से मिलने वाली सीख से राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन को साक्ष्य-आधारित नीतियों की योजना बनाने और विकसित करने में मदद मिलेगी। मुझे यकीन है कि ऐसी सभी बैठकों से निकले निष्कर्ष और अवलोकन के माध्यम से निश्चित रूप से नीति निर्माताओं, प्रशासकों, विकास भागीदारों, सेवा प्रदाताओं और यहां तक कि नागरिक समाज को भी रणनीतिक दिशा मिलेगी।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि नार्थ-ईस्ट के कुछ राज्यों में एकीकृत हेल्थ कैंपेन शुरू किया गया है और इसका रिस्पांस बहुत अच्छा रहा है। इसे जारी रखने की जरूरत है और सभी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों को हर कैंपेन के निष्कर्षों का अनुपालन करने के लिए तुरंत कार्यवाही करनी चाहिए। इस तिमाही के दौरान सोशल मीडिया पर हुए राष्ट्रीय कंसल्टेशन ने भी इस कार्यक्रम की उपलब्धि में चार चांद लगा दिए हैं। यह एक बहुप्रतीक्षित घटना थी। मैं इस अवसर पर संबंधित राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों को बधाई देती हूं जिन्होंने अभियान शुरू करने की पहल की और मुझे विश्वास है कि ऐसे अभियान चलाने के अनुभवों को साझा करना निश्चित रूप से देश के अन्य हिस्सों के लिए एक अनुकरणीय कदम साबित होगा।

हमारे सामने आने वाली कई चुनौतियों के बावजूद हम सभी मिलकर इस सफलता को अर्जित कर सकते हैं। में आशा करती हूँ कि आप हमारे सभी नवीन प्रयासों गतिविधियों और पहलों को आगे बढ़ाने में हमारा समर्थन करते रहेंगे,।

वी. हेक़ाली झिमोमी
अपर सचिव एवं महानिदेशक
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन
भारत सरकार

निदेशक
के डेस्क से संदेश

प्रिय पाठकों,

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी और अन्य संगठनों के सभी प्रभागों ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पांचवें चरण के लक्ष्यों को बनाने और मज़बूत करने के लिए सभी प्रयास किए हैं।

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अधिकारियों ने अप्रैल और मई के महीनों के दौरान राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम सुविधाओं की 360 डिग्री समीक्षा और फील्ड विज़िट करने के लिए उनसे संबंधित राज्यों का दौरा किया। इन दौरों के क्रम में, कार्य बिंदुओं की समीक्षा के लिए जून माह में अपर सचिव और महानिदेशक (राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन) की अध्यक्षता में सभी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के परियोजना निदेशकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी।

प्रोजेक्ट सहयोग (ग्लोबल फण्ड अनुदान 2021-24) के तहत, कैपेसिटी बिल्डिंग हब और कार्यक्रम प्रबंधन एवं समीक्षा प्रभाग के संयुक्त तत्वाधान में विभिन्न राज्यों के राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों और दिशा/ज़िला एड्स रोकथाम एवं नियंत्रण यूनिट के अधिकारियों के लिए कार्यक्रम प्रबंधन पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही ज़िला एड्स नियंत्रण अधिकारियों के लिए एक संवेदीकरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

संपूर्ण सुरक्षा रणनीति के तहत, सभी 150 संपूर्ण सुरक्षा केंद्रों को शुरू कर दिया गया है। दूसरे चरण के 75 संपूर्ण सुरक्षा केंद्रों को अप्रैल-मई 2023 में मंजूरी दे दी गई और इन केंद्रों ने 1 मई 2023 से उत्थान प्रक्रिया को शुरू कर दिया। राष्ट्रीय टीम ने प्रगति और संस्थापन की निगरानी के लिए प्रथम और द्वितीय चरण के सम्पूर्ण सुरक्षा केंद्रों का दौरा किया। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि मई 2023 तक, लगभग 14000+ "एट रिस्क नेगेटिव क्लाइंट्स" संपूर्ण सुरक्षा केंद्र में पंजीकृत हो चुके हैं।

मई 2023 में, केरल में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पांचवें चरण के तहत सप्लाई चैन मैनेजमेन्ट (नाको) के दक्षिणी क्षेत्र के लिए पहली क्षेत्रीय समीक्षा और क्षमतावर्धन बैठक आयोजित की गई। इस तिमाही में ही, अप्रैल में एकीकृत एस.टी.आई., एच.आई.वी., टीबी और हेपेटाइटिस अभियान के लिए राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों के अधिकारियों का वर्चुअल ओरिएंटेशन किया गया था। एच.आई.वी. और सिफ़लिस के प्रसार के उन्मूलन को प्राप्त करना, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पांचवें चरण के तहत तय किये गए लक्ष्यों में से एक है। इस लक्ष्य को साकार रूप देने की पहल करते हुए कार्यक्रम के तहत, भारत के उच्च-प्राथमिकता वाले राज्यों में एच.आई.वी. और सिफ़लिस के प्रसार के उन्मूलन के प्रथम चरण के रोल आउट और कार्यान्वयन के लिए दो दिवसीय बैठक आयोजित की गई।

नई दिल्ली में "राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पांचवें चरण के तहत नेटवर्क ऑपरेटर्स और वेब-बेस्ड प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से स्पा/मसाज पार्लरों में टार्गेटेड इंटरवेंशन के लिए स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एस.ओ.पी.)" पर राष्ट्रीय कंसल्टेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी राज्यों को एक साझा मंच पर लाने के लिए, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने जून, 2023 में जयपुर, राजस्थान में सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन किया और सभी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों को डिजिटल रिस्पांस और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को मजबूत बनाने के लिए राज्यों का मार्गदर्शन किया। इस तिमाही में 'एच.आई.वी./एड्स को मुख्यधारा में लाने के लिए इंटर-मिनिस्टीरियल बैठक' और 'एच.आई.वी./एड्स से संक्रमित और प्रभावित लोगों की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक पहुंच को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल' पर प्रशिक्षकों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ।

इन सभी गतिविधियों और अन्य कार्यों के साथ, हम आगे भी ऐसी सभी गतिविधियों और उपलब्धियों से भरपूर तिमाही की आशा करते हैं।

निधि केसरवानी
निदेशक
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन
भारत सरकार

संपादक
के डेस्क से संदेश

प्रिय पाठकों,

हमने नए वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही पूरी कर ली है। जैसा कि हमने सोचा था, यह तिमाही बहुत सारी गतिविधियों चलते बहुत लाभदायक रही। मुझे खुशी है कि सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने चल रहे वित्तीय वर्ष की वार्षिक कार्य योजना में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पहले से ही निष्ठावान प्रयास करने शुरू कर दिए हैं।

मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि अप्रैल और मई के महीने में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के नामित नोडल अधिकारियों ने 360 डिग्री समीक्षा के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का दौरा किया और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम सुविधाओं का दौरा किया। विभिन्न राज्यों की राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों और दिशा/ज़िला एड्स रोकथाम एवं नियंत्रण यूनिट के अधिकारियों के लिए कार्यक्रम प्रबंधन पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण और प्रोजेक्ट सहयोग (ग्लोबल फण्ड अनुदान 2021-2024) के तहत, कार्यक्रम प्रबंधन और समीक्षा प्रभाग द्वारा ज़िला एड्स नियंत्रण अधिकारियों के लिए एक संवेदीकरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए।

जून, 2023 में जयपुर, राजस्थान में सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय क्षमतावर्धन कार्यशाला ने सभी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के डिजिटल रिस्पाँस और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को मजबूत करने में राज्यों कि मदद की। 'एच.आई.वी./एड्स को मुख्यधारा में लाने के लिए इंटर मिनिस्टीरियल बैठक' और 'एच.आई.वी./एड्स से संक्रमित और प्रभावित लोगों की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल' पर प्रशिक्षकों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी हाल ही में आयोजित किया गया। इस तिमाही में, केरल में सप्लाई चैन मैनेजमेन्ट के दक्षिणी क्षेत्र के लिए पहली क्षेत्रीय समीक्षा और क्षमतावर्धन बैठक आयोजित की गई।

इस तिमाही में एकीकृत एस.टी.आई., एच.आई.वी., टीबी और हेपेटाइटिस (आई.एस.एच.टी.एच.) अभियान के लिए राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के अधिकारियों का वर्चुअल ओरिएंटेशन भी हुआ। एच.आई.वी. और सिफ़लिस के प्रसार के उन्मूलन इंटरवेंशन के प्रथम चरण की दो दिवसीय बैठक आयोजित की गई। इस तिमाही में नई दिल्ली में "राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पांचवें चरण के तहत नेटवर्क ऑपरेटर्स और वेब-बेस्ड प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से स्पा/मसाज पार्लरों में टार्गेटेड इंटरवेंशंस के लिए स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एस.ओ.पी.)" पर एक राष्ट्रीय कंसल्टेशन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिससे कार्यक्रम में एक नया आयाम जोड़ा गया। इन सभी और कई अन्य गतिविधियों के साथ, अब हमें अगली तिमाही पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और गतिविधियों की योजना बनानी चाहिए।

आशा है कि मौजूदा तिमाही अधिक हितकर होगी और हमें इस वायरस के विरुद्ध हमारे साझा प्रयासों में मदद करेगी।

डॉ.अनूप कुमार पुरी
उप-महानिदेशक
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, भारत सरकार

1. भारत की पहली G20 अध्यक्षता: राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की भागीदारी

ग्रुप ऑफ़ ट्वेंटी (G20) अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच है। यह सभी प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों पर ग्लोबल आर्किटेक्चर और गवर्नेंस को आकार देने और मज़बूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (G20) में 19 देश (अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका) और यूरोपीय संघ शामिल हैं। G20 शिखर सम्मेलन प्रतिवर्ष एक रोटेटिंग प्रेसीडेंसी के नेतृत्व में आयोजित किया जाता है। वर्तमान में भारत 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक G20 की अध्यक्षता संभाल रहा है।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने, सदस्य देशों के विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने और भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत, भारत में एच.आई.वी. से निपटने के लिए राष्ट्रीय एड्स और एस.टी.डी. नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से की गई गतिविधियों को प्रदर्शित एवं साझा करने के लिए G20 बैठकों में प्रदान किए गए प्लेटफार्मों का उपयोग किया। इन बैठकों के प्रदर्शनी स्टालों में, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के इतिहास, प्रगति, वर्तमान स्थिति, परीक्षण व उपचार नीति, सोशल कांट्रेक्टिंग मॉडल, एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 2017, राष्ट्रीय टोल फ्री एड्स हेल्पलाइन - 1097, नाको एड्स ऐप से जुड़ी रचनात्मक सामग्रियाँ प्रदर्शित की गई।

एक इंटरैक्टिव (टच इनेबल्ड) कियोस्क भी स्थापित किया गया, इस कियोस्क पर एड्स ऐप के विशिष्ठ एच.आई.वी. जोखिम आंकलन भाग को प्रदर्शित किया गया इस कियोस्क पर विज़िटर्स की बहुत भीड़ रही। विज़िटर्स को नाको वेबसाइट और इसके प्रमुख पब्लिकेशन दिखाए और समझाए गए। साथ ही, कियोस्क पर एच.आई.वी. जागरूकता वीडियो क्लिप भी प्रदर्शित की गईं।

नाको (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) के पूरे भारत में आयोजित G20 स्वास्थ्य कार्य समूह की बैठकों में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों को प्रदर्शित किया गया है। G20 इंडिया प्रेसीडेंसी के हेल्थ ट्रैक में चार स्वास्थ्य कार्य समूह बैठकें और एक हेल्थ मिनिस्टीरियल बैठक शामिल हैं।

G20 बैठकें देश भर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित की गईं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अलावा, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने पूरे भारत में आयोजित G20 बैठकों में भाग लिया और प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए।

G20 में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण सगठन की भागीदारी:

1. G20 प्रथम स्वास्थ्य कार्य समूह की बैठक-त्रिवेन्द्रम, केरल-18 से 20 जनवरी 2023
2. डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक सम्मेलन 'यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज को अंतिम नागरिक तक ले जाना' - 20 से 21 मार्च 2023
3. G20 द्वितीय स्वास्थ्य कार्य समूह की बैठक - बम्बोलिम, गोवा - 17 से 19 अप्रैल 2023
4. G20 एडवांटेज स्वास्थ्य देखभाल प्रदर्शनी, प्रगति मैदान, नई दिल्ल - 27 अप्रेल 2023
5. G20 तीसरी स्वास्थ्य कार्य समूह की बैठक - हैदराबाद, तेलंगाना - 4 से 6 जून 2023

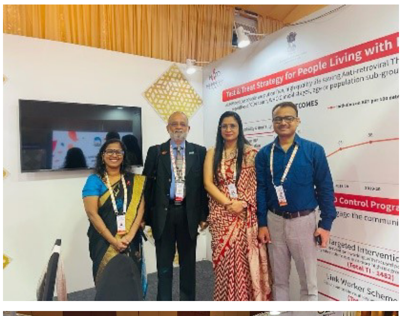

2. भारत सरकार के प्रमुख विभागों/मंत्रालयों के साथ इंटर-मिनिस्टीरियल बैठक

20 जून, 2023 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की अपर सचिव एवं महानिदेशक श्रीमती वी. हेकाली झिमोमी की अध्यक्षता में भारत सरकार के प्रमुख विभागों/मंत्रालयों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य विभागों/मंत्रालयों द्वारा की गई गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करना था और साथ ही एच.आई.वी./एड्स रोकथाम गतिविधियों, परामर्श, परीक्षण और उपचार से संबंधित सेवाओं की पहुंच और कवरेज बढ़ाने, स्टिग्मा और डिस्क्रिमिनेशन को कम करने और सहयोगात्मक प्रयासों को सुदृढ़ करना और सामाजिक सुरक्षा के माध्यम से संक्रमित और प्रभावित व्यक्तियों में एच.आई.वी. के प्रभाव को कम करना था।

आज तक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने सहयोगात्मक कार्यवाही के माध्यम से जागरूकता और रोकथाम प्रयासों के साथ लोगों तक पहुंचने के लिए भारत सरकार के 18 प्रमुख विभागों/मंत्रालयों के साथ साझेदारी की है। यह बैठक एच.आई.वी./एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 कानून और एच.आई.वी./एड्स पॉलिसी फॉर एस्टैब्लिशमेंट्स 2020 के कार्यान्वयन को मद्देनजर रखते हुए महत्वपूर्ण थी।

बैठक में नाको के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाले भारत सरकार के विभिन्न विभागों/मंत्रालयों के अधिकारियों ने भाग लिया। साथ ही रेल मंत्रालय, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, चाय बोर्ड, कॉफी बोर्ड और रबर बोर्ड जैसे अन्य मंत्रालयों के प्रतिनिधि भी इस बैठक में शामिल रहे। बैठक में 17

मंत्रालयों/विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) भारत के उप-निवासी प्रतिनिधि, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के सभी कार्यक्रम घटकों के अधिकारी भी शामिल हुए।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 2017 और इसके तहत एच.आई.वी. एंड एड्स पॉलिसी फॉर एस्टैब्लिशमेंट्स 2022 और मुख्यधारा के प्रयासों के तहत की गई प्रमुख गतिविधियां प्रस्तुत की गई। प्रत्येक मंत्रालय/विभाग से अपेक्षाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान दो प्रकाशन अर्थात् एच.आई.वी./एड्स से संक्रमित और प्रभावित लोगों कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल और कोविड-19 महामारी के दौरान यौनकर्मियों को सूखा राशन वितरण - प्रक्रिया दस्तावेज़ीकरण रिपोर्ट भी जारी की गई।

बैठक के मुख्य बिंदु इस प्रकार थे:

- विभागों/मंत्रालयों को राष्ट्रीय स्तर पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त करना होगा जिससे सहमति पत्र (मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग) में प्रस्तावित गतिविधियों के लिए नाको से कुशल समन्वय संभव हो।

- सभी मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग विभाग/मंत्रालय यह सुनिश्चित करेंगे कि, एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 2017 में परिभाषित 'शिकायत अधिकारी' उनके एस्टैब्लिशमेंट्स में नियुक्त हों और एस्टैब्लिशमेंट्स के लिए एच.आई.वी./एड्स नीति 2022 को लागू करें।

- एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम 2017 पर शिकायत अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए विभागों/मंत्रालयों को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के साथ समन्वय करना होगा।

- मेनस्ट्रीमिंग डिवीजन (राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन) के पास प्रत्येक मंत्रालय/विभाग से किए जाने वाले कार्यों का एक विशिष्ट सेट होगा, जो यह सुनिश्चित करेगा कि 18 मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग विभागों के अंदर सभी मौजूदा प्लेटफॉर्म्स/सिस्टम्स का एच.आई.वी./एड्स, परामर्श परीक्षण के बारे में जानकारी के प्रसार और "उपचार/अन्य राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम सेवा" जैसी सुविधाओं से जुड़ाव के लिए सर्वोत्तम और हर संभव सीमा तक लाभ उठाया जा सके। मंत्रालयों/विभागों में संबंधित अधिकारियों को यह देखने के लिए कि मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग के अनुसार की जाने वाली कार्यवाही फिर से की गई है।

- भारत सरकार के वो सभी मंत्रालय/विभाग, जो राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के साथ सहमति पत्र (मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर करने के लिए आगे आ रहे हैं, उनकी सराहना की जाती है। एक सामूहिक प्रयास निश्चित रूप से नाको को 2025 तक 95-95-95 लक्ष्य तक पहुंचने और 2030 तक एच.आई.वी./एड्स को समाप्त करने में मदद कर सकता है।

3. सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय क्षमतावर्धन कार्यशाला

नाको ने 1 और 2 जून, 2023 को जयपुर, राजस्थान में सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय क्षमतावर्धन कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला सभी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों के डिजिटल रिस्पाँस और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को मजबूत एवं उनका मार्गदर्शन करने के लिए आयोजित की गई थी। संयुक्त निदेशक-आई.ई.सी., प्रभारी संयुक्त निदेशक-आई.ई.सी., नोडल अधिकारी-सोशल मीडिया, राज्यों की सोशल मीडिया एजेंसियों के प्रतिनिधि, पी.आई.बी.(दिल्ली) के अधिकारी, इंस्टाग्राम एक्सपर्ट्स और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अधिकारियों सहित 90 से अधिक सदस्य, कंटेंट डेवलपमेंट, प्रेजेंटेशन, कैंपेन एक्सिक्यूशन और डिकोडिंग एनालिटिक्स के सन्दर्भ में सोशल मीडिया से जुड़ी अपेक्षाओं को समझने के लिए एकत्र हुए।

सोशल मीडिया, रणनीतिक और कम खर्च में प्रभावी तरीके से बड़ी संख्या में लोगों तक पहुँचने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के संदर्भ में बात की जाए तो, सोशल मीडिया के पास 95-95-95 लक्ष्य में से पहले 95 प्राप्त करके इस गैप को पूरा करने की अद्भुत क्षमता है। इसी तरह दूसरे और तीसरे 95 के लक्ष्य को समय पर प्राप्त करने में सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका शामिल है। पिछले 3 वर्षों में, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने सभी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों के साथ सोशल मीडिया पर अपनी उपस्थिति बनाने, उसे संभालने और बढ़ाने के लिए अथक प्रयास किया है। जब देश COVID-19 महामारी की चपेट में आया और भौतिक प्रतिबंध लगाए गए, तो डिजिटल एडॉप्शन में तेज़ी से वृद्धि हुई।

इस दो दिवसीय कार्यशाला के मुख्य उद्देश्य थे:

- सभी प्रतिभागियों को स्वास्थ्य कार्यक्रमों में 'डिजिटल' का एक दृष्टिकोण देने के लिए - एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्राप्त करना।
- एक सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों से क्या अपेक्षाऐं होती हैं, इस दृष्टिकोण से प्रतिभागियों को अवगत करना।
- सभी प्रतिभागियों को, आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और उनके इस्तेमाल से जुड़ी जानकारी देना।

प्रतिभागियों को निम्न सभी आवश्यकताओं को समझने में मदद मिली :

- इंटरनेट की इन्फोडेमिक दुनिया में सही काँटेंट बनाना।
- काँटेंट को प्रमोट करने की आवश्यकता।
- काँटेंट बूस्टिंग और डिजिटल बाइंग का महत्व।
- इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग।
- डिजिटल एनालिटिक्स और भविष्य के अभियानों की सही योजना बनाने में इसकी मदद।
- राज्य के अधिकारियों को उनके डिजिटल उपस्थिति का एक परिचय प्रदान करना जिसमें आवश्यकता की भावना हो।
- प्रतिभागियों को सोशल मीडिया पर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की वांछित दर्शकों और विषयगत क्षेत्र और संचरण के मार्ग को संचारित करने के लिए सही पहुंच को समझाना।
- भारत मे डिजिटल प्रसार के प्रतिशत की समझ प्रदान करना।
- राज्यों को ब्रांड आइडेंटिटी के महत्व को समझने में मदद करना और यह समझाना कि यह कैसे समय के साथ ब्रांड रिकॉल वैल्यू और एक मज़बूत ऑडियंस बेस बनाने में मदद करती है।

कार्यशाला में तीन समूह गतिविधियाँ (ग्रुप एक्टिविटी) भी शामिल थीं जिनमें राज्यों को यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम नामक चार समूहों में विभाजित किया गया था। तीनों समूह कार्यों के लिए समान प्रतिभागी इन समूहों का हिस्सा बने रहे।

कार्यशाला के प्रमुख दिशा-निर्देश:

- पूरे भारत में सभी सोशल मीडिया हैंडलों को एक अनोखा लुक एंड फील देने के लिए, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) एक कॉमन ब्रांडिंग लेकर आया। नाको द्वारा विकसित कॉमन कवर पिक्चर का उपयोग सभी राज्यों द्वारा किया जाएगा जो सभी राज्यों और नाको की डिजिटल उपस्थिति को एकजुट करेगा। कवर इमेज में एक टैगलाइन भी होगी।
- राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मौजूद "क्या करें और क्या न करें" के संबंध में कुछ सुझाव दिए गए थे जैसे संबंधित और उचित है शटैग का उपयोग करना; लोगो को विशिष्ट स्थान पर रखना; सपोर्टिंग टेक्स्ट के डिस्क्रिप्शन सेक्शन के क्रिएटिव कंटेंट में केवल मुख्य कंटेंट को ही मेंशन करना, दर्शकों को आगे लिंकेज में मदद करने के लिए सभी क्रिएटिव/पोस्ट में कॉल टू एक्शन होना चाहिए; क्रिएटिव और डिस्क्रिप्शन में कंटेंट एक ही पंक्ति में होना चाहिए; क्रिएटिव डिज़ाइन करते समय ब्रांड पहचान के एलिमेंट्स को ध्यान में रखा जाना चाहिए; डिज़ाइनिंग शुरू करने से पहले अभियान के बारे में अच्छी तरह से विचार किया जाना चाहिए; धार्मिक दिवसों/त्योहारों/विषयों पर क्रिएटिव्स/पोस्ट बनाने से बचना चाहिए क्योंकि इससे कुछ समूहों की भावनाएं आहत हो सकती हैं; स्टाइलिश फ़ॉन्ट के उपयोग से बचना चाहिए और असंबंधित पोस्ट को रीट्वीट और री-शेयर करने से बचना चाहिए।
- राज्यों को टेक्निकल कंटेंट पर रेड रिबन क्लब सदस्यों (या सामान्य दर्शकों) द्वारा बनाए गए सामान्य इंस्टाग्राम रीलों को एक्रत्रित कर उनमें से कुछ विषय संबंधित अच्छी गुणवत्ता वाली रीलों को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन से साझा करना होगा ताकि वह इन्हे अपने सोशल मीडिया हेण्डल से पोस्ट कर सके।
- राज्यों को यह निर्देशित किया गया की वह अपने किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जागरूकता सामग्री को पोस्ट करने से पहले सारे कंटेंट को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा कराएं।
- सभी राज्य एच.आई.वी. के मुद्दों पर बातचीत को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर का उपयोग करें।
- सभी राज्यों को सुझाया गया कि वो अपने राज्य की एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों के लोगो (logo) की उच्च गुणवत्ता पिक्चर बनवा ले।
- कुछ राज्यों को अपने लोगो को फिर से डिज़ाइन करना होगा और उन्हें सभी डिजिटल प्लेटफार्म पर अपडेट करना होगा, यदि राज्यों को अपने लोगो को फिर से डिज़ाइन करने में सहायता की आवश्यकता हो, तो वे नाको से सहायता ले सकते हैं।

4. राज्यों में नाको अधिकारियों की 360 डिग्री समीक्षा और फील्ड दौरा

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित नाको के अधिकारियों ने अप्रैल और मई 2023 के महीनों के दौरान राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम सुविधाओं की 360 डिग्री समीक्षा की और अपने आवंटित राज्यों का क्षेत्रीय दौरा किया। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की टीमों ने निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ "अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, चंडीगढ़, दमन-दीव और दादर नगर हवेली, दिल्ली, गोवा, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र, मणिपुर, मुंबई ज़िला एड्स नियंत्रण सोसाइटी, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल" का दौरा किया:

- अपर सचिव एवं महानिदेशक (राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन) की अध्यक्षता में राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (दिनांक 26 नवंबर 2022 एवं 14 मार्च 2023) के परियोजना निदेशकों के साथ आयोजित हुई बैठकों के कार्यवाही योग्य बिंदुओं के अनुसार की गई कार्यवाही की समीक्षा।
- राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों के परियोजना निदेशकों की उपस्थिति में राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों की 360 डिग्री कार्यक्रम समीक्षा।
- वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा वित्तीय व्यय, सुविधाओं के स्तर पर मानव संसाधन स्थिति की समीक्षा
- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पांचवें चरण के तहत सभी सामग्रियों की स्टॉक स्थिति की समीक्षा
- राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में सहायक/कार्यान्वयन भागीदारों द्वारा की गई गतिविधियों की समीक्षा।
- राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम सुविधाओं का फील्ड दौरा।
- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत गतिविधियों के कार्यान्वयन में सुधार के लिए राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों के सामने आने वाली प्रशासनिक और कार्यक्रम संबंधी चुनौतियों पर प्रमुख सचिव/ अतिरिक्त मुख्य सचिव/ कार्यकारी सोसाइटी के अध्यक्ष को जानकारी देना।

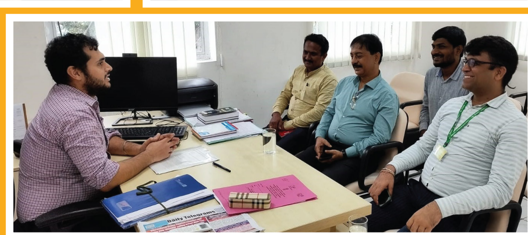

क्रमांक	राज्य	अधिकारी आई./सी.	विज़िट की तारीख़	सलाहकार का नाम	पदनाम और डिवीज़न
1	अरुणांचल प्रदेश	डॉ. भावना राव, उप निदेशक (लैब सेवाएँ और आई.ई.सी.)	3 से 5 मई 2023	डॉ. शांतनु पुरोहित डॉ. पूर्णिमा	एन.सी.-टी.आई. सलाहकार - सी.एस.टी.
2	चंडीगढ़		16 से 18 मई 2023	डॉ. स्नेहलता रॉय श्री राहुल आहूजा	ए.सी.-सी.एस.टी. ए.सी.-टी.आई.
3	राजस्थान		23 से 25 मई 2023	डॉ. जसविंदर सिंह श्री प्रशांत	ए.सी.-सी.एस.टी. टी.ई.-टी.आई.
4	तमिलनाडु		17 से 19 अप्रैल 2023	डॉ. शांतनु पुरोहित डॉ. सुजीत	एन.सी.-टी.आई. सलाहकार-एस.आई.
5	मेघालय	डॉ. साईप्रसाद भावसार, उप निदेशक (सी.एस.टी., एस.सी.एम. और पी.एम.आर.)	2 से 5 मई 2023	श्री मुंग डॉ. शिवाली कमल	सलाहकार-टी.आई. सलाहकार-एल.एस.
6	मुंबई और महाराष्ट्र		9 से 12 मई 2023	श्री शांतनु पुरोहित डॉ. विभावरी	एन.सी.-टी.आई. एन.सी.-बी.एस.डी.
7	कर्नाटक		18 से 18 मई 2023	सुश्री सुमन सहरावत डॉ शिवाली कमल	सलाहकार-बी.एस.डी. सलाहकार-एल.एस
8	असम	डॉ.अनूप कुमार पुरी, (डी.डी.जी. - सी.एस.टी., आई.ई.सी. और एस.सी.एम.)	1 से 4 मई 2023	सुश्री विशाखा श्री संजय वर्मा	ए.सी-एल.एस. ए.सी-टी.आई.
9	मुंबई और महाराष्ट्र		9 से 12 मई 2023	श्री उत्पल दास	सलाहकार-आई.ई.सी.
10	पंजाब		16 से 18 मई 2023	श्री मुंग श्री शैलेन्द्र जी	सलाहकार-टी.आई. ए.सी-बी.एस.डी.
11	वेस्ट बंगाल		22 से 25 मई 2023	सुश्री विनीता डॉ. विभावरी	एन.सी.-एस.आई. एन.सी.-बी.एस.डी.
12	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	श्री सुनील के.एस भदोरिया, यू.एस. - एडमिन	9 से 11 मई 2023	श्री कार्तिकेयन श्री शुभ्रजीत	सलाहकार-पी.एम.आर. सलाहकार-आई.ई.सी.
13	दमन-दीव और दादर नगर हवेली		26 से 28 अप्रैल 2023	श्री कार्तिकेयन डॉ. ज्योतिका चीमा डॉ. जसविंदर सिंह	सलाहकार-पी.एम.आर. सलाहकार-आई.ई.सी. ए.सी-सी.एस.टी.
14	हिमाचल प्रदेश		16 से 18 मई 2023	श्री कार्तिकेयन डॉ. पूर्णिमा परमार	सलाहकार-पी.एम.आर. सलाहकार-सी.एस.टी.

क्रमांक	राज्य	अधिकारी आई./सी.	विज़िट की तारीख़	सलाहकार का नाम	पदनाम और डिवीज़न
15	दिल्ली	डॉ. उदयभानु दास, डी.डी.जी. (लैब सेवाएँ और पी.एम.आर.)	18 से 19 अप्रैल 2023	श्री मुंग डॉ. पूर्णिमा	सलाहकार-टी.आई. सलाहकार-सी.एस.टी.
16	मणिपुर		25 से 27 अप्रैल 2023	डॉ. प्रदीप कुमार श्री मुंग	एन.सी.-एस.आई. सलाहकार-टी.आई.
17	आंध्र प्रदेश		9 से 11 मई 2023	डॉ. पूर्णिमा श्री राहुल आहूजा	सलाहकार-सी.एस.टी. ए.सी.-टी.आई.
18	बिहार		16 से 18 मई 2023	श्री राहुलदीप श्री अरविन्द कुमार	ए.सी.-सी.एस.टी. ए.सी.-टी.आई.
19	गोवा	डॉ. भवानी सिंह, उपनिदेशक (टी.आई., बी.एस.डी. और जी.एफ.)	19 से 21 अप्रैल 2023	श्री बेंजामिन श्री कार्तिकेयन	सलाहकार-आई.ई.सी. सलाहकार-पी.एम.आर.
20	तेलंगाना		26 से 28 मई 2023	श्री शुभ्रजीत सुश्री विशाखा	सलाहकार-आई.ई.सी. ए.सी.-एल.एस.
21	उत्तराखंड		4 से 5 मई 2023	सुश्री पारुल श्री कार्तिकेयन	सलाहकार-आई.ई.सी. सलाहकार-पी.एम.आर.
22	जम्मू कश्मीर और लद्दाख	श्री राजेंद्र कुमार, उप सचिव - ए एंड पी	2 से 4 मई 2023	श्री राहुल आहूजा डॉ. जसविंदर	ए.सी.-टी.आई. ए.सी.-सी.एस.टी.

5. नार्थ-ईस्ट राज्यों में कम्युनिटी लेड मॉनिटरिंग (सी.एल.एम.) पायलट प्रोजेक्ट की विस्तार बैठक

21 जून 2023 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की अपर सचिव और महानिदेशक, श्रीमति वी. हेकाली झिमोमी की अध्यक्षता में एक प्रसार बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य प्रक्रिया के प्रमुख कदमों, कार्यान्वयन व्यवस्थाओं और कम्युनिटी लेड मॉनिटरिंग पायलट प्रोजेक्ट के परिणामों को साझा करना था। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पांचवें चरण के कम्युनिटी सिस्टम स्ट्रेंथनिंग पहुंच के तहत तीन पूर्वोत्तर राज्यों "नागालैंड, मणिपुर और मिज़ोरम के 15 ज़िलों" में पायलट परियोजना आयोजित की गई थी। बैठक में कम्युनिटी प्रतिनिधियों, भागीदार एजेंसियों, राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन अधिकारियों ने भाग लिया।

सी.एल.एम. पायलट परियोजना का उद्देश्य एक प्रभावी कम्युनिटी-बेस्ड मॉनिटरिंग (समुदाय आधारित निगरानी) प्रक्रिया का प्रदर्शन करना था जिसमें सभी प्रमुख हितधारक (की-पॉपुलेशन समुदाय आधारित संगठन, एच.आई.वी. के साथ जी रहे लोग, गैर-सरकारी संगठन और ज़िला व राज्य स्तर पर सरकारी अधिकारी) शामिल होते हैं जो प्रोग्राम और पॉलिसी स्तर के निर्णल लेने में रियल टाइम फीड्स होती हैं। पायलट प्रोजेक्ट से मिली सीख और दिशा-निर्देश राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के भीतर सी.एल.एम. को संस्थागत बनाने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाएंगी और यह सुनिश्चित करेंगी कि एच.आई.वी./एड्स कार्यक्रम सभी स्तरों पर समुदायों की ज़रूरतो को पूरा करने में सक्षम हों।

6. कार्यवाही योग्य बिंदुओं की स्थिति पर परियोजना निदेशकों के साथ समीक्षा बैठक

13 जून 2023 को हाइब्रिड मोड में अपर सचिव एवं महानिदेशक श्रीमति वी. हेकाली झिमोमी राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की अध्यक्षता में सभी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों के परियोजना निदेशकों एवं अतिरिक्त परियोजना निदेशकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयाँ और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। दो बैठकों का आयोजन 26 नवम्बर 2022 और 14 मार्च 2023 में हुआ, यह बैठक पिछली बैठक में उत्पन्न हुए क्रियान्वित परिणामों की स्थिति की समीक्षा के लिए की गई थी।

7. कार्यक्रम प्रबंधन प्रशिक्षण

प्रोजेक्ट सहयोग (ग्लोबल फण्ड अनुदान 2021-24) के तहत, कैपेसिटी बिल्डिंग हब के साथ कार्यक्रम प्रबंधन और समीक्षा प्रभाग ने विभिन्न राज्यों के राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों और दिशा/ज़िला एड्स रोकथाम एवं नियंत्रण यूनिट अधिकारियों के लिए कार्यक्रम प्रबंधन पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम और ज़िला एड्स नियंत्रण अधिकारियों के लिए एक संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया। जून 2023 के अंतिम सप्ताह में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में “नागालैंड, कर्नाटक, अंडमान और निकोबार द्वीप, असम, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और नागालैंड” राज्यों के ज़िला एड्स रोकथाम एवं नियंत्रण यूनिट के लिए आयोजित किया गया था।

झारखंड, ओडिशा और अंडमान व निकोबार द्वीप में, ज़िला एड्स नियंत्रण अधिकारियों और असम के ज़िला एड्स नियंत्रण अधिकारियों के एक बैच के लिए जून माह के अंतिम सप्ताह में संवेदीकरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। रोकथाम घटकों पर SETU अधिकारियों के लिए दो बैचों का प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया। तीन दिवसीय कार्यक्रम प्रबंधन प्रशिक्षण का उद्देश्य राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों, ज़िला एड्स रोकथाम एवं नियंत्रण यूनिट और दिशा के कार्यक्रम प्रबंधकों को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के सभी घटकों और इसकी गतिविधियों पर उन्मुख करना था। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन कम्युनिटी बेस्ड हब, मास्टर ट्रेनर्स और संबंधित राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों के अधिकारियों द्वारा किया गया।

8. ज़िला एड्स नियंत्रण अधिकारियों (डी.ए.सी.ओ.) के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम

ज़िला एड्स नियंत्रण अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए एक संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन व सेंट्रल टीबी डिवीज़न, राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी व एस.टी.डी.सी. समन्वय तंत्र, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सुविधाएं व राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के साथ समन्वय और ज़िला स्तर पर कार्यक्रम की निगरानी के विषय में ज़िला एड्स नियंत्रण अधिकारीयों को उन्मुख करना था। विभिन्न प्रभागों के राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी अधिकारियों के साथ मुद्दों और कार्यक्रम घटकों पर खुलकर चर्चा की गई। इन प्रशिक्षणों का आयोजन राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी और एस.टी.सी. के सहयोग से किया गया और सत्रों का संचालन कम्युनिटी बेस्ड हब द्वारा किया गया।

9. एकीकृत एस.टी.आई., एच.आई.वी., टी.बी. और हेपेटाइटिस (आई.एस.एच.टी.एच.) अभियान पर तैयारी बैठक

यह अभियान एक महीने की अवधि में देश भर में सभी जेलों में बंद आबादी को कवर करने के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा की गयी एक नवीन पहल है। इस संबंध में, 19 अप्रैल 2023 को राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों का वर्चुअल ओरिएंटेशन किया गया था। तत्पश्चात, सात राज्यों: हिमाचल प्रदेश, मुंबई, महाराष्ट्र, मिजोरम, सिक्किम, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल ने अपने यहाँ इस कार्यक्रम को आरम्भ किया।

राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के वर्चुअल ओरिएंटेशन को जारी रखते हुए, 13 और 14 जून 2023 को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के कॉन्फ्रेंस हॉल में एकीकृत एस.टी.आई., एच.आई.वी., टीबी और हेपेटाइटिस अभियान पर दो दिवसीय साक्षात प्रारम्भिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर सचिव और महानिदेशक राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने की और इसमें सभी (विभाग प्रमुख -राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन), परियोजना निदेशक-राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयां /अतिरिक्त परियोजना निदेशक/सभी 35 राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों के अधिकारी और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अधिकारी शामिल हुए।

आगे की कार्यवाही के लिए, सभी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों से अनुरोध किया गया कि वे जेल गतिविधियों के रूप में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम और राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम

के साथ तालमेल बनाते हुए एक माइक्रो प्लान विकसित करें। पोस्ट लिंकेज की देखभाल के लिए एक तंत्र विकसित करने की भी सिफ़ारिश की गई। एकीकृत एस.टी.आई., एच.आई.वी., टीबी और हेपेटाइटिस अभियान शुरू करने के लिए जेल और अन्य बंद सेटिंग्स, जुवेनाइल होम्स, बालिका और बालक गृह के कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने पर ज़ोर दिया गया और बताया गया की अभियान रिपोर्ट नाको एड्स ऐप पर भी साझा की जाएंगी।

10. एच.आई.वी. और सिफ़लिस के लम्बवत (वर्टिकल) प्रसार के उन्मूलन के पहले चरण का प्रयोजन और क्रियान्वयन

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पांचवें चरण के तहत तय किये गए लक्ष्यों में से एक, एच.आई.वी. और सिफ़लिस के प्रसार के उन्मूलन को प्राप्त करना है। इस लक्ष्य को साकार रूप देने की पहल करते हुए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत, नाको के कार्यक्रम प्रबंधन और समीक्षा डिवीज़न ने भारत के उच्च-प्राथमिकता वाले राज्यों में एच.आई.वी. और सिफ़लिस के प्रसार के उन्मूलन के प्रथम चरण के प्रयोजनीकरण और क्रियान्वयन के लिए हाइब्रिड मोड में दो दिवसीय बैठक आयोजित की। बैठक 10 और 11 अप्रैल 2023 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।

बैठक में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के अधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य प्रभाग, राज्य स्वास्थ्य सोसाइटी (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन), व्यावसायिक चिकित्सा संघ (आई.एम.ए., एन.एन.एफ़., आई.ए.पी, एफ़.ओ.जी.एस.आई.), द्विपक्षीय और विकास पार्टनर्स (यू.एन.एड्स., यू.एस.एडए., डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, सी.एच.ए.आई., प्लान इंडिया आदि) ने भाग लिया। साथ ही सात उच्च प्राथमिकता वाले राज्यों यानी बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मिजोरम, नागालैंड, कर्नाटक और मुंबई से राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के प्रभागीय प्रमुख भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में लगभग दो सौ प्रतिभागियों ने भौतिक एवं वर्चुअल माध्यम से सक्रियरुप सहभागिता सुनिश्चित की। एच.आई.वी. और सिफ़लिस के प्रसार के उन्मूलन के प्रथम चरण के प्रयोजन और क्रियान्वयन के लिए एच.आई.वी. और सिफ़लिस के प्रसार के उन्मूलन हेतु मार्गदर्शन दस्तावेज़ सुश्री निधि केसरवानी, आई.ए.एस., निदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और डॉ. अशोक बाबू, आई.ए.एस., जे.एस.-आर.सी.एच., राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा जारी किया गया था। बैठक में, डॉ. सुमिता घोष, अतिरिक्त आयुक्त, (आर.सी.एच.) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा उद्घाटन भाषण दिया गया और डॉ. अनुपमा प्रसाद, उपायुक्त, मातृ स्वास्थ्य, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा मुख्य टिप्पणी दी गयी।

बैठक के माध्यम से एच.आई.वी. और सिफ़लिस के प्रसार के उन्मूलन के प्रथम चरण के राज्य कार्यवाहक और ध्वज वाहक तक संबंधित जानकारी के सफल प्रसार का मार्ग प्रशस्त किया। प्रत्येक राज्य ने अपने दृष्टिकोण, रोडमैप और कार्यान्वयन की आगे की योजना प्रस्तुत की और उन्हें तकनीकी रूप से कुशलता के साथ प्रस्तुत किया गया। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य प्रभाग और राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों के राज्य हितधारकों को प्रथम चरण के कार्यान्वयन के लिए संयुक्त रूप से विचारों और रणनीतियों को अंतिम रूप देने के लिए शामिल किया गया, जिससे एच.आई.वी. और सिफ़लिस के दोहरे उन्मूलन की दिशा में चल रहे कार्य में गति से तालमेल बनाया जा सके। डॉ. शोबिनी राजन, उप-महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने अपनी समापन टिप्पणी में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा संयुक्त रूप से की गई क्रॉस-कटिंग गतिविधियों के द्वारा हासिल की गई प्रगति का मूल्यांकन किया और उम्मीद जताई कि एच.आई.वी. और सिफ़लिस के प्रसार के उन्मूलन का प्रथम चरण सफलतापूर्वक शुरू किया जाएगा।

सुश्री निधि केसरवानी (आई.ए.एस., निदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन) और डॉ. अशोक बाबू (आई.ए.एस., जे.एस. आर.सी.एच., राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) की वर्चुअल उपस्थिति में सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सात उच्च प्राथमिकता वाले राज्यों के बीच एच.आई.वी. और सिफ़लिस के प्रसार के उन्मूलन के प्रथम चरण के प्रयोजनीकरण और क्रियान्वयन की दिशा में "एच.आई.वी. और सिफ़लिस के प्रसार उन्मूलन" मार्गदर्शन दस्तावेज़ का लोकार्पण किया गया।

11. नेटवर्क ऑपरेटर्स के माध्यम से स्पा/मसाज पार्लरों में टार्गेटेड इंटरवेंशन के लिए एस.ओ.पी. और वेब बेस्ड प्लेटफॉर्म्स पर राष्ट्रीय कंसल्टेशन का आयोजन

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के पांचवें चरण के तहत नेटवर्क ऑपरेटर्स और वेब-बेस्ड पर स्पा/मसाज पार्लरों में टार्गेटेड इंटरवेंशंस के लिए स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एस.ओ.पी.) पर एक राष्ट्रीय कंसल्टेशन कार्यक्रम 8 और 9 जून 2023 को सुश्री वी. हेकाली झिमोमी (आई.ए.एस., अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको) की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम आयोजन भारत एच.आई.वी./एड्स एलायंस संगठन के द्वारा किया गया था। कंसल्टेशन का आयोजन स्पा/मसाज पार्लरों, नेटवर्क ऑपरेटरों और टार्गेटेड इंटरवेंशंस और लिंक वर्कर स्कीम्स के माध्यम से वेब-आधारित प्लेटफार्मों पर वंचित आबादी तक पहुंचने के लिए एक कार्यान्वयन ढांचा विकसित करने के उद्देश्य से किया गया था। कंसल्टेशन में वरिष्ठ नेतृत्व सहित कम्युनिटी, डेवलपमेंट पार्टनर्स, द्विपक्षीय भागीदारों, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों, राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के 90 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

यह एस.ओ.पी., तकनीकी विकास, सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के तेज़ी से बढ़ते इस्तेमाल और नए उभरते फिजिकल स्पेसेस पर तेज़ी से बदल रही यौन प्रथाओं के पैटर्न को ध्यान में रखते हुए एक कार्यक्रम को लागू करने में एक रूपरेखा का काम करेगा। इन मंचो पर व्यस्त रहने वाले लोगों को अभी तक पारंपरिक लक्षित हस्तक्षेपों और लिंक वर्कर स्कीम कार्यक्रमों द्वारा कवर नहीं किया गया है। इसलिए यह एस.ओ.पी., एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ लोगों की ज़रूरतों और चुनौतियों को प्रभावी ढंग से समझने और, एच.आई.वी. की रोकथाम, उपचार एवं देखभाल सेवाओं के बीच के को अंतर को समाप्त करके, रोकथाम कार्यक्रम में मदद करेगा।

12. संपूर्ण सुरक्षा रणनीति (एस.एस.एस.) हस्तक्षेप पर अपडेट

संपूर्ण सुरक्षा रणनीति के तहत सभी 150 संपूर्ण सुरक्षा केंद्रों को शुरू कर दिया गया है। द्वितीय चरण के 75 सम्पूर्ण सुरक्षा केंद्रों को अप्रैल-मई 2023 में मंज़ूरी दे दी गई है और इन सुविधाओं ने 1 मई 2023 से काम करना शुरू कर दिया है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों के अधिकारियों ने प्रगति और स्थापना की स्थिति की निगरानी के लिए प्रथम और द्वितीय चरण के सम्पूर्ण सुरक्षा केंद्रों का दौरा किया। मई 2023 तक, लगभग 14000+ एट-रिस्क नेगेटिव क्लाइंट्स, सम्पूर्ण सुरक्षा केंद्र में पंजीकृत हुए और उन्होंने सेवाओं की मांग की ।

13. सप्लाई चेन मैनेजमेंट की क्षेत्रीय समीक्षा एवं क्षमतावर्धन बैठक

सप्लाई चैन मैनेजमेन्ट की प्रथम क्षेत्रीय समीक्षा एवं क्षमतावर्धन बैठक दक्षिणी क्षेत्र के केरल राज्य में 11 मई 2023 को आयोजित की गई थी।

बैठक के दौरान राज्यों में क्रियाकलापों की प्रगति की जानकारी साझा की गई और सप्लाई चैन मैनेजमेन्ट मज़बूती मानदंड को समर्थन की आवश्यकता परियोजना से समझी गई। बैठक ने ARV दवाओं, डायग्नोस्टिक्स और अन्य वस्तुओं की सप्लाई चैन मैनेजमेन्ट की कुशल कार्यप्रणाली की सुनिश्चित की थी, जो आखिरी मील तक पहुंचती है।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की सप्लाई चैन मैनेजमेन्ट और केरल राज्य एड्स नियंत्रण (एस.सी.एम.) इकाइयों के अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया और इस कार्यक्रम को ग्लोबल फंड अनुदान (2021-24) के तहत "प्लान इंटरनेशनल" द्वारा समर्थन दिया गया।

राज्य

14. मुंबई ज़िला एड्स नियंत्रण सोसाइटी

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर कंसल्टेशन

20 अप्रैल 2023 को वित्तीय सहायता योजना शुरू करने के लिए मुंबई ज़िला एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा एच.आई.वी. के साथ जी रहे अनाथ बच्चों से संबंधित सामाजिक सुरक्षा योजना पर कंसल्टेशन आयोजित किया गया था। मुंबई ज़िला एड्स नियंत्रण सोसाइटी, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, बृहन्मुंबई नगर निगम के अधिकारी, एच.आई.वी. के साथ जी रहे लोगों के समुदाय, एस.एल.एन., डी.एल.एन., उड़ान के प्रतिनिधियों ने अपने बहुमूल्य सुझाव इस कंसल्टेशन के दौरान दिये। कंसल्टेशन के बाद, एक समिति का गठन किया गया और योजना के लिए नियम, चयन मानदंड, भुगतान प्रक्रियाएं स्पष्ट की गयी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने के लिए मुंबई ज़िला एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा 23 जून 2023 को एच.आई.वी. से संक्रमित लोगों के साथ 20 ए.आर.टी. केंद्रों पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में अंबिका योग कुटीर के योग प्रशिक्षकों द्वारा आयुष प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में कुल 581 एच.आई.वी. के साथ जी रहे लोगों ने भाग लिया। इस दौरान प्रिंटेड आई.ई.सी. सामग्री के माध्यम से एच.आई.वी. और एड्स से संबंधित मुद्दों के बारे में जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।

15. पुडुचेरी राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी

ज़िला कराईकल में संयुक्त कार्य समूह की बैठक (जे.डब्ल्यू.जी)

8 जून 2023 को कराईकल के ज़िला कलेक्टर ए. कुलोथुंगन की अध्यक्षता में एक संयुक्त कार्य समूह की बैठक आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य कराईकल क्षेत्र में पंजाब राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी और प्रमुख विभागों के बीच साझेदारी को मज़बूत करना, एच.आई.वी./एड्स जागरूकता गतिविधियों के लिए एक कार्य योजना तैयार करना और शिकायत अधिकारी की नियुक्ति करना था। चिकित्सा अधीक्षक, जी.जी.एच., कराईकल, उप निदेशक, टीकाकरण का प्रतिनिधित्व कर रहे आर.एम.ओ.-जी.जी.एच., कराईकल, मुख्य शिक्षा अधिकारी, उप निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, उप निदेशक जोन- I, स्कूल शिक्षा, ज़िला युवा अधिकारी, नेहरु युवा केन्द्र और संस्थानों/कॉलेजों के प्रधानाचार्यों/प्रमुखों ने बैठक में भाग लिया।

16. वेस्ट बंगाल राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी

कोलकाता में PSUs/SMPs में शिकायत अधिकारियों की नियुक्ति

वेस्ट बंगाल राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी द्वारा आयोजित एक अंतर-विभागीय बैठक में, पब्लिक सेक्टर यूनिट द्वारा संचालित विभिन्न एस्टैब्लिशमेंट्स पर शिकायत अधिकारियों की नियुक्ति पर ज़ोर देने को बैठक का मूल एजेंडा रखा गया। अन्य विभागों के साथ-साथ सभी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों की भागीदारी के लिए वार्षिक अंतर-विभागीय बैठक 8 जून 2023 को आयोजित की गई। भागीदारी से पहले, सभी सार्वजनिक उपक्रमों को उनकी सुविधा के लिए शिकायत अधिकारियों के नाम प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था।

बैठक के दौरान पहला सत्र अन्य विभागों और संगठनों के अधिकारियों, परियोजना निदेशकों, अतिरिक्त परियोजना निदेशकों और एच.आई.वी./एड्स अधिनियम पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एस.एल.एस.ए.) के रजिस्ट्रार व उप सचिव सहित विभिन्न राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों अधिकारियों की उपस्थिति में लिया गया, जिसमें राज्य के मूल एजेंडा के रूप में विभिन्न एस्टैब्लिशमेंट्स में शिकायत अधिकारियों की नियुक्ति के महत्व पर विशेष ज़ोर दिया गया।

सभी पब्लिक सेक्टर यूनिट्स से दो सप्ताह की अवधि के भीतर शिकायत अधिकारियों की सूची प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया।

17. बेस्ट प्रैक्टिस

MEME (मीम) के साथ एच.आई.वी. के बारे में बातचीत शुरू करना:

हिमाचल प्रदेश ने एचआईवी पर बातचीत की पहल एक बहुत रोचक, हास्यपूर्ण और व्यापक रूप से स्वीकार किये जाने वाले MEME के माध्यम से की। इस पहल में कुछ बहुत प्रसिद्ध हिंदी फिल्म के डायलॉग और गानों को एच.आई.वी. के संदेश के साथ पिरोया गया।

MEME: यह एक मनोरंजक इंटरनेट सामग्री है (जैसे कि कैप्शन वाली तस्वीर या वीडियो) जो व्यापक रूप से, खासकर सोशल मीडिया के माध्यम से, ऑनलाइन फैली हुई होती है। MEME आम तौर पर हास्य या व्यंग्य के साथ किसी विचार को प्रसारित करने में मदद करते हैं।

यह दृष्टिकोण एच.आई.वी. की प्रतिक्रिया को मज़बूत करने के दौरान आने वाली सभी चुनौतियों को एक बहुत ही मज़ेदार तरीके से संवाद करने में मदद करता है जिसके परिणामस्वरूप दर्शकों, विशेष रूप से युवा दिमागों पर अधिक प्रभाव डालता है।

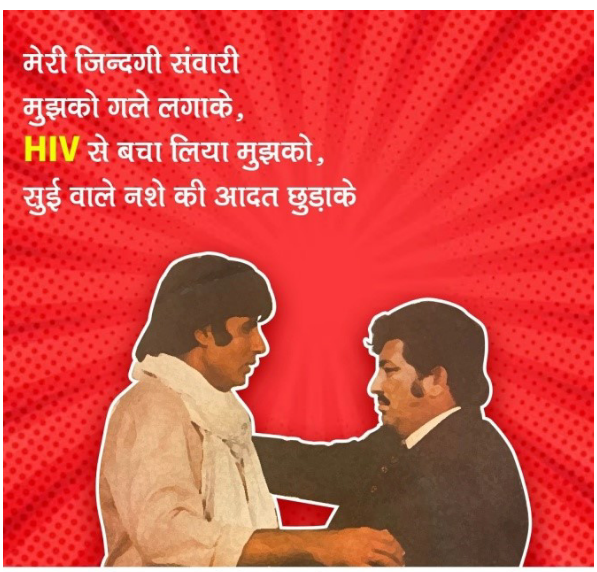

अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1097 पर कॉल करें

उदाहरण के लिए: तेरे जैसा यार कहां MEME इस्तेमाल की गई सुइयों और सिरिंजों को साझा करने के माध्यम से एच.आई.वी. फैलने के मुद्दे को संबोधित करने की कोशिश कर रहा है। इसलिए, यह MEME बहुत प्रसिद्ध गीत के माध्यम से एक दोस्त को नशीली दवाओं के इंजेक्शन लगाने की आदत से बचाने के लिए अपने साथी के प्रति आभार व्यक्त करता है, जो वास्तव में देश में एच.आई.वी. के फैलने का एक प्रमुख कारण है। इसी तरह, दूसरा MEME यौन संबंध बनाते समय कंडोम का उपयोग करने और किसी को भी एच.आई.वी. से संक्रमित होने से बचाने के महत्व को संबोधित करता है।

हम हिमाचल प्रदेश राज्य को एक अनोखे नज़रिये, भविष्य में और इसी तरह के अभियान के साथ आगे आने और अन्य राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटीयों का मार्गदर्शन करने के लिए बधाई देते हैं।

अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1097 पर कॉल करें

18. नार्थ-ईस्ट एकीकृत स्वास्थ्य अभियान

एकीकृत स्वास्थ्य अभियान, नार्थ-ईस्ट भारत के ग्रामीण या अर्ध-ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न स्थानों को कवर करने वाले प्राथमिकता वाले ज़िलों के विभिन्न हाई रिस्क ग्रुप्स, ब्रिज पापुलेशन, वल्नरेबल पापुलेशन और एट-रिस्क पापुलेशन के बीच उभर रहे एच.आई.वी. पॉजिटिव आने के मामलों का समाधान करने के लिए एक आवश्यकता आधारित तरीके के रूप में सामने आया है।

इन्ही आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, एकीकृत स्वास्थ्य अभियान का प्रथम पायलट, मई 2023 से अरुणाचल प्रदेश के नामसाई ज़िले, असम के नागांव ज़िले, मेघालय के पूर्वी जंतिया ज़िले, नागालैंड के पेरेन ज़िले, सिक्किम के पूर्वी ज़िले और त्रिपुरा के धलाई ज़िले में आयोजित किया गया।

राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, ज़िला स्वास्थ्य प्राधिकरण, टेक्निकल सपोर्ट यूनिट्स, टार्गेटेड इंटरवेंशंस, एन.जी.ओ. कर्मचारियों और सिविल सोसायटी के सहयोग से व्यापक रोकथाम, परीक्षण और उपचार सेवाएं प्रदान करने के लिए उच्च प्रसार वाले ज़िलों और ब्लॉकों का चयन किया। पुष्टि किए गए एच.आई.वी. के साथ जी रहे लोगों को नियमित रूप से ए.आर.टी. उपचार से जोड़ा जा रहा है।

Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

NACO
National AIDS Control Organisation

Azadi Ka Amrit Mahotsav

किसी टैटू को आपके स्वास्थ्य पर स्थायी निशान न छोड़ने दें

टैटू बनवाते समय हमेशा सुई और स्याही बदलने के लिए कहें।

अपर सचिव एवं महानिदेशक: श्रीमती. वी. हेकाली झिमोमी, अपर सचिव एवं महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन , स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

निदेशक: सुश्री निधि केसरवानी, निदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संपादक: डॉ. ए.के. पुरी, उप महानिदेशक (आई.ई.सी., एम.एस. और सी.एस.टी.) राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संपादकीय पैनल: डॉ. शोबिनी राजन, उप महानिदेशक; डॉ. यू बी दास, उप महानिदेशक; डॉ. भावना राव, उप निदेशक; सुश्री निधि रावत, राष्ट्रीय सलाहकार (आई.ई.सी. एवं एम.एस.); डॉ. ज्योतिका चीमा, सलाहकार (आई.ई.सी. एवं एम.एस.), राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन; श्री सुभ्रजीत भट्टाचार्जी, सलाहकार (आई.ई.सी. और एम.एस.), नाको और शेयर इंडिया टीम

NACO ई-न्यूज़लेटर राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का डिजिटल प्रकाशन है

6 और 9 फ़्लोर, चंद्रलोक बिल्डिंग, 36-जनपथ, नई दिल्ली - 110001 टेलीफोन नंबर: 011-43509999, फैक्स: 011-23731746

हमारी वेबसाइट विज़िट करें: www.naco.gov.in

संपादन, डिज़ाइन और प्रोडक्शन: The Visual House, ईमेल: tvh@thevisualhouse.in

Your feedback is important to us. Please write to us at nacoindianews@gmail.com

@NACOINDIA @NACOINDIA @NACO_INDIA @NACOINDIA

AIDS Helpline 1097

Download NACO AIDS APP

Supported By SHARE